>

Title: Need to eradicate the problem of malnutrition in Vidarbha and Nagpur regions of Maharashtra.

श्री दत्ता मेघे (वर्धा): मैं सरकार का ध्यान नागपुर में राज्य सरकार की एक एजेंसी एकात्मिक बाल विकास प्रकल्प की उस ताजा रिपोर्ट की तरफ दिलाना चाहता हूं, जिसमें इस बात का खुलासा किया गया है कि इस शहर में 32 फीसदी बच्चे अब भी कुपोषण का शिकार हैं और बाल मृत्यु दर 17 से बढ़कर 39 हो गई है। इस संस्था की 2010 की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि शहर में 20 से 24 प्रतिशत बच्चे औसत से ढाई किलो कम वजन के होते हैं। जिन बच्चों का सर्वेक्षण कराया गया, उसमें से 32 प्रतिशत बच्चे कुपोषित पाये गये हैं। शहरों की झुग्गी-झोंपड़ियों में और आदिवासी क्षेत्रों में लोगों को कभी रोजगार मिलता है और कभी नहीं मिलता है। इसका असर बच्चों पर ही नहीं, उनकी माताओं पर भी पड़ता है, ऐसी स्थिति में गर्भवती महिलाओं द्वारा स्वस्थ बच्चे को जन्म देने की संभावनाएं बहुत कम हो जाती है। डाक्टरों का कहना है कि जो बच्चे बचपन से ही पूर्ण पौष्टिक आहार नहीं लेते, बड़ा होने पर उनके आई.क्यू. में भी कमी देखी गई है।

नागपुर शहर में इतने बड़े पैमाने पर बच्चों का कुपोषित होना अत्यंत चिंता का विषय है। पोषक आहार की कमी के कारण ही यह स्थिति पैदा हुई है। इसलिए मेरा सरकार से यह निवेदन है कि वह विदर्भ और नागपुर के पिछड़े क्षेत्रों में पोषक आहार की व्यवस्था करें और राज्य सरकार को निर्देश दें कि वह इस समस्या की तरफ तुंत ध्यान दें।